

**M. A. (ECONOMICS) (MEC)**

**Term-End Examination**

**June, 2025**

**MEC-004 : ECONOMICS OF GROWTH AND  
DEVELOPMENT**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Marks : 100*

---

**Note :** Answer questions from both Sections as per instructions.

---

---

**Section-A**

**Note :** Answer any *two* questions from this Section in about **500** words each.

2×20=40

1. What is meant by Total Factor Productivity (TFP) ? Discuss the approaches to measure it.

2. Bring out the salient features of the Harrod-Domar model. What is the razor-edge problem in this context ?
3. “Economic development is not the same as economic growth.” Explain. Discuss how economic development can be measured.
4. Critically examine the investment criteria in developing countries.

### Section-B

**Note** : Answer any *five* questions from this Section in about **250** words each.

$$5 \times 12 = 60$$

5. Explain the Harris-Todaro model and examine its relevance in developing countries these days.
6. What is meant by market failure ? What are the reasons for market failure ?
7. Discuss the concepts of ‘organic composition of capital’, ‘surplus value’ and ‘declining rate of profit’ in the Marxian theory of development.

8. Discuss the Prebisch-Singer model of terms of trade of developing countries.
9. Give a brief note on two-sector growth models of an economy.
10. Bring out the relationship between population, poverty and environment.
11. Evaluate the contribution of Malthus to the theory of economic development.
12. Write short notes on the following :
  - (i) 'Big Push' theory of economic development
  - (ii) Importance of economic growth

**MEC-004****एम. ए. (अर्थशास्त्र) (एम. ई. सी.)****सत्रांत परीक्षा****जून, 2025****एम. ई. सी.-004 : संवृद्धि और विकास का अर्थशास्त्र**

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

**नोट :** दोनों भागों से निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।**भाग-क****नोट :** इस भाग से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों

(प्रत्येक) में लिखिए।

2×20=40

1. सकल कारक उत्पादकता (TFP) का क्या अर्थ है ? इसके मापन के प्रति दृष्टिकोणों पर चर्चा कीजिए।
2. हैरोड-डोमर प्रतिमान के मुख्य अभिलक्षण स्पष्ट कीजिए।  
इस सन्दर्भ में 'खांडे की धार' की समस्या क्या है ?

3. “आर्थिक विकास आर्थिक संवृद्धि ही नहीं है।” व्याख्या कीजिए। चर्चा कीजिए कि आर्थिक विकास का मापन किस प्रकार किया जा सकता है।
4. विकासशील देशों के लिए निवेश की कसौटी की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

### भाग-ख

**नोट :** इस भाग से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए। 5×12=60

5. हैरिस-टोडारो प्रतिमान की व्याख्या कीजिए और आजकल के विकासशील देशों के लिए इसकी प्रासंगिकता को समझाइए।
6. बाजार की विफलता का क्या अर्थ है ? इसके क्या कारण होते हैं ?
7. ‘पूँजी की जैविक रचना’, ‘मूल्य अतिरेक’ और ‘ह्रासमान लाभ’ की संकल्पनाओं की मार्क्सवादी विकास सिद्धान्त के सन्दर्भ में चर्चा कीजिए।

8. विकासशील देशों की व्यापार की शर्तों विषयक प्रेविशक-सिंगर प्रतिमान पर चर्चा कीजिए।
9. एक अर्थव्यवस्था के द्विक्षेत्रकीय संवृद्धि प्रतिमानों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
10. जनसंख्या, गरीबी और पर्यावरण के बीच सम्बन्ध का निरूपण कीजिए।
11. आर्थिक विकास के सिद्धान्त में माल्थस के योगदान की समीक्षा कीजिए।
12. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :
  - (i) आर्थिक विकास का 'महती प्रयास' सिद्धान्त
  - (ii) आर्थिक संवृद्धि का महत्व

x x x x x